ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम **विषय- हिन्दी**

दिनांक—06/07//2020 **व्याकरण-संज्ञा**

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका दिन मंगलमय हो!

कुछ अपनी बातें

ईश्वर ने मनुष्य को सब कुछ दिया है, किंतु आवरण में छिपाकर। वह सब उसे पुरुषार्थ के बल पर ही प्राप्त होता है।पुरुषार्थ के अभाव में

सीप में मोती छिपे रह जाते , धरती के भीतर रत्न दबे रह जाते, न फसल उगती, न धरती सोना उगलती। इसलिए भाग्य के भरोसे जीने से अच्छा है कि अपने कर्म पर भरोसा करें और आलसी एवं निष्क्रिय न होकर अपना कर्म करें, आगे बढ़ें।

अब चलते हैं संज्ञा के पाठ पर।

- सर्वनाम शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाना-

सर्वनाम	**भाववाचक संज्ञा**
अपना	**अपनत्व**
अहं	अहंकार
निज	निजता/निजत्व
पराया	परायापन

- क्रियाओं से भाववाचक संज्ञा बनाना-

क्रिया	भाववाचक संज्ञा
लड़ना	लड़ाई
चढ़ना	चढ़ाई
पढ़ना	पढ़ाई
पूजना	पूजा
हँसना	हँसी
दहाड़ना	दहाड़
काटना	कटाई
जीना	जीवन
सीना	सिलाई
घबराना	घबराहट

क्रिया	**भाववाचक संज्ञा**
रोना	-रुलाई
माँगना	-माँग
फटकार	-फटकार
डाँटना	-डाँट
चमकना	-चमक
थकना	-थकावट/थकान
कमाना	-कमाई
लूटना	-लूट
बहना	-बहाव
चिल्लाना	-चिल्लाहट

• अव्यय शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाना

अव्यय	भाववाचक संज्ञा
धिक्	धिक्कार
मना	मनाही
ऊपर	ऊपरी
नीचे	निचाई
समीप	सामीप्य
निकट	निकटता

धन्यवाद

कुमारी पिंकी "कुसुम"